

पुस्तक संख्या १०८५३
पुस्तक संख्या १०८५३

II-297

१८ नमो गवयस्य अथ महासाहस्य
गवान्वाक्यगुहविह्वलिमगज
लवक्ष्यवाप्तवनदल्लुमदगाती
नाथमनाहस ॥ स्याथथदा ॥ अथ
वधननखिनवदल्लुगुगुलव



मदने ॥ नवं मया भूतमकस्मिन्मयत
कृत्यद्येनदक्षिनयात्वेद्वद्वचन
क्षमं धनसाधनगुमकुदायेलीनेलाक २०
ननुवनधिनखेवधनगुवयलवध
स्यवसनिनीखाह ॥ मय कसद्वसुवना

२१ सवगुखाह ॥ सवगुदया दृष्टनाष्टमहावाक्यनामनावलनेखयाधियननवखा
हा ॥ नयादलुयथांनेमिबीयावकननिमिल ॥ सुकलक्षालीनामधालाकयालेप्रमदिना
॥ स्याथथदं ॥ कलिङ्गहालदयगमदयायदमिहमदमालाङ्गयाक ॥ रुसगामिनीमात्र
नीरुवीनीयोहलनखाह ॥ हुरुहुरुहुरुह ॥ सदनीवयागुवनीहस्तिनचलमनीवधु
लीसचवाचलेखाह ॥ न्मांयातिनलवीयाकस्मिकालमयदल्लु ॥ स्याथथदं ॥ उखठ

दीपद २ विमलवीलवदनवसिष्ठकुचलनञ्जनमध्याय स्वाहा ॥ नानागन्धैश्च धूपैश्च निद
ना सर्वयात्रका गच्छथा ॥ ७ ॥ रुद्रमं २ कवली रुद्रली कुंदल खल न हलिना सर्वली साकीय साओ
स्वाहा ॥ वायवी स्वाहा युधावनी स्वाहा ॥ वायव स्वाहा यलंगनी स्वाहा सर्वकोषादक्षदनी स्वाहा २१
सर्वमकुचदानस्त्रिंशद्वस्यवचनयथा स्थायथा ॥ अकर्मवीकर्मरुद्रंगमरुद्रगधायवदहनी
धवलदहनी सखत्वयुमखत्वसा लङ्गमचयुचयलहली मयली मरुलहली सी स्वाहा ॥ या ३

निमानिरुदकं गवयकं सदा सुगन्धी लोहितानि स्थायथा दं ॥ सा रुचय मदनो मदा मायू
ली सितवती मदायगी मयामदा मयानू भालनी च नीलस्य रुसा श्री कृषिदकनी र्थं मम सयलो
वालस्य सच्चैस्त्वाना कखादा ॥ ० ॥ आर्य मदा सा रुचय मदनो नाम मयानू च नीलमाय ॥ १५
॥ ००० ॥ ॥ ॐ नमो गवय आर्य मदा मायू ॥ मरुतं कीवनी दवी दूरस्त्वनी वा नजी वीथाना ली
मदा मानं मदा मायू लाय लामिहं ॥ ॐ नमो द्वाय नमो धर्मोय नमो स्याय ४ नयथा ४ ००० ॥

बीजीहजामाजीनीआदयाददगीदिहलीनीवगुधियासुयीसाचाववनिआलादनीउतमलानि
लि२मलनिलिम२रूम२००गीमीगीविमज्जवयलरु२२२मूयिकालिमहाकालियकीरुक्
मिरुच२वरुच२कीच२रुच२वसा२दवा२गुनावनायायलीवगयायिस२॥हिलिहिलिदि२२
लिहिलिहिलि॥१०॥मिलिमिलिमिलिमिलिमिलि॥१०॥वृवृवृवृवृवृवृ॥१०॥मरु
मरुमरुमरुमरु॥१०॥लललललललललललल॥१०॥रु२रु२रु२रु२रु२रु२॥१०॥वावा

वावावावावावावा॥५॥यायायायायायायाया॥कालकालकालकालकाल॥२०॥द
मदमनितयनयनीकलकलनियवयचनिददरिमर्कनीववनीरुदनीगयनीगायनीयच
नियावनीहिलिहिकालविमदनीसुगुणीकथम४कलीसंकलिमाकलीकखलीसुचलीसं
कलीकलनीदमदुहिसुकुसुमगुलायावलायांवर्बुरुदवसमकयीलीकिमिखाहा॥डन
मावजायडनमावमायडनमासंघाय४डनमासासमायलीवियागहा॥॥तयथा॥रु

[illegible][illegible]

गध्वोद्विषयस्वाहविषयकायस्वाहा दूमहाधियतयस्वाहविषयाकायस्वाहातागधियतयः
 स्वाहादवानां स्वाहानागानां स्वाहाजस्रानां स्वाहागवजानां स्वाहागध्वानां स्वाहाकिनेनां स्वाहामः
 हावगानां स्वाहायक्षानां स्वाहानाक्षानां स्वाहायमानां स्वाहायीमानां स्वाहाहानां स्वाहाहमः २४
 नां स्वाहायूढानां स्वाहाकूढानां स्वाहास्कंदानां स्वाहाज्यसालानां स्वाहादंसादानां स्वाहाकृया
 नां स्वाहाडाश्लकानां स्वाहाचट्टस्थानां स्वाहाचूडानां स्वाहानक्षत्रानां स्वाहागुहानां स्वाहाकोपीः

धानां स्वाहासिद्धिदीधानां स्वाहासिद्धिविगानां स्वाहाहोपियस्वाहागुहोपियस्वाहाजौगुपीयस्वाहा
 जमगाये स्वाहाकर्मनीयस्वाहासंमनीयस्वाहादोसिंदाय स्वाहादोमिदाय स्वाहासुवलीय स्वाहा
 हाजथसुवलीय स्वाहाचदालीय स्वाहामाठगीय स्वाहानागद्वय स्वाहागवजुद्वयोद्वय स्वाहामा
 नसिय स्वाहामहामानसिय स्वाहायजुद्वलीय स्वाहामातिरुद्वय स्वाहायर्क्षरुद्वय स्वाहासमक
 ४ रुद्वय स्वाहासमक रुद्वय स्वाहायमिस्रय स्वाहामहयमिस्रय स्वाहामीनवरीय स्वा

लामरुभीगवगीयस्वाहादधुधुगयस्वाहामहादधुधुगयस्वाहामुचीलीवायस्वाहामहासुवीली
 वायस्वाहाजयकीयस्वाहाभाकीयस्वाहायस्त्रियस्वाहाअधुकीजयस्वाहाजयगजिनोयस्वाहासु
 वरुवरासायस्वाहामयलकाजायस्वाहामहावाललीस्वाहामुमुयवनीस्वाहामहामायवीला २७
 स्वाहामयलकाजायस्वाहा ॥ ॐ ॥ अथमहामायलीदियानालीमन्त्राक्षलीसमाक ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ नमो हगवय अथमहाभीगवये ॥ ॐ गुरुवनाहल ॐ साभीगवनीनामधाल

नोमहावीयामुदयदे लकावल अगुर्गियरीदनीनाम्यामका नाम्यासिकानां वकीदिद्येगयसः
 आयदिगायस्वायवहवीयकी गयक्ष अमाह जातसाल गल कासा सदगाज्जाभवाचकवीला
 गलवीला गलश्वीला कलवीला कलश्वीचा विहृदिका गलवीच गलश्वीचा ॐ द्या ॐ द्युकीसचा
 हंभाहंभाकीसचा ॥ ॐ लमगीवीलमगीलकमगी सुवोथेसावनीयचमाथेसावनीअयनीरुतं ॐ
 द्यानाकाकमा नाकावन्ना नाका मनलिनकावासेको नाकाकमदयि नाकावन्नासदावियगीमजा

[illegible][illegible]

वलनवीनासनीमरीरसुचिरसलीरवीलीरमिलीरकमलविमलजयरवीजयकयावहृजय
 वगोदीभयनीरुगवनीचलमकुटमानकालनीवीवीरुवसुखलीनीरुगवनीसुखदृशाननीवालनी
 वीजयवाहिनीरुचरुसुचरुचुचरुआययालनीसुलगयमथनीसुद्वेवगनयुक्तिविनीरु २६
 विनिरसमकावलाकिरुयरुसुदाकसुयरुदिसुद्धसुवयायविसुद्धसुवयायविसुवनीधुचरु
 धयनिधनवलरुसुमरुचुचुचरुवालयसुवदृशानयुचयआसांधीवयुधपुजयकमपदिनिः

रुचनकाकसुठंयमाविसुद्धमाधयरुचिधवयरुसुद्धरुसलरुहलरुहिलिरुचुचुसुमलविमल
 वीरुमविद्वजीनीरुवलरुद्धवीरुवीरुवलसुसकावनीकिरुयरुसुधरुवीरुसुद्धसुसकायुमा
 गादरासुसुद्धकलरुसुद्धवगनमाकवनीरुजीरुगालयरुमासुवसनागवलाकिरुलक्षरु
 रुचरुसुचरुविनिरुचिनिरुसुवगदरुकनियोमलरुसुचरुसुदरुसुद्धरुसुलीनरुनागविलकिरु
 गावयरुगवनीरुसुमहावाचनरुयलरुसुवगसुमआर्त्तादिआदवातवकयाकालनवकयासुव

पञ्चायं स्तौ नमस्तु गाय स्वाहा यमाय स्वाहा यमयुक्ति गाय स्वाहा वृक्षाय स्वाहा मानुषाय स्वाहा मनु
मानुषाय स्वाहा अग्नये स्वाहा वायवे स्वाहा ४ नागवल्गुकिने स्वाहा द्रुवगने स्वाहा नागगने स्वाहा
४ यक्षगने स्वाहा नाक्षसगने स्वाहा वृषगने स्वाहा अश्वगने स्वाहा गवूगने स्वाहा ३०
किने नगने स्वाहा मक्षगने स्वाहा मनुष्यगने स्वाहा अमनुष्यगने स्वाहा सद्यगने स्वाहा
हमद्यगने स्वाहा सर्वदीर्घाय स्वाहा सर्वयस्मालाय स्वाहा सर्वकृशाय स्वाहा सर्वयदने स्वाहा

हमसर्वकटयुगने स्वाहा सर्वदूरयदूरय स्वाहा डं वृक्ष स्वाहा डं वृक्ष स्वाहा डं वृक्ष स्वाहा डं वृक्ष स्वाहा डं वृक्ष स्वाहा
सर्वसूक्तं स्वाहा ४ ददृशं सर्वदृष्टान् स्वाहा ४ यय २ यय थिकयय मिगान् स्वाहा ४ वृक्षि गाय स्वा
हय कली गाय स्वाहा दं कली गाय स्वाहा ४ वृक्ष कली गाय स्वाहा समकली गाय स्वाहा मा निरुदा
य स्वाहा गपु र्दृष्टाय स्वाहा गाय स्वाहा महाकाय स्वाहा माह गाय स्वाहा यक्ष नीनां स्वा
हा यक्ष सिनां स्वाहा यय वीर्यं किनीनां स्वाहा अकासमाह गनानां स्वाहा ४ समदवा विना

स्वाहा नाशिवना स्वाहा दिवसवना स्वाहा गोम आचनना स्वाहा वला वलना स्वाहा गारु हवयः
स्वाहा गरुहसवानी स्वाहा हस्त २७ स्वाहा ह ४ स्वाहा धालनि स्वाहा अमि स्वाहा नंदवाय स्वाहा श्री
लो २ स्वाहा मिली २ स्वाहा मिर्च २ स्वाहा वृद्ध २ स्वाहा सिमा वृद्ध स्वाहा सर्वसमूह नरे करय २ स्वाहा कं ३ ३१
मृय २ स्वाहा मृय २ स्वाहा मृय स थोपि मृय स्वाहा मृय २ मृय मृय स्वाहा मृय वनी स्वाहा वीध्व
नी स्वाहा गृह स्वाहा नंदगृह स्वाहा अग्नि कं स्वाहा पूषि स्वाहा सुहा स्वाहा सिवली स्वा

हस्त कं स्वाहा अमी कनी स्वाहा युक्ति कनी स्वाहा वलवधनी स्वाहा श्री कनी स्वाहा श्री वधनी
स्वाहा श्री वलनी स्वाहा मृवी स्वाहा नमवी स्वाहा वगवनी स्वाहा सर्वकथा गत मृयवी वी गत
यसमय सरुग गोवे सर्वयाय सा नीरु वृद्ध सवस्वाना क स्वाहा मनी वी मनी धनी वी ली वध नरुग
वनि रुय हलनी वी धि २ वा य वृद्धि ली २ सवकथा गत रुद्धय मृक स्वाहा डं मृनि २ मृनि वल अशी
धि वृद्ध मां सर्वस्वाना व सवकथा गत मववी या ली धके मृहा वृद्ध कवय मृया मृया मृया मवकथा ग

[illegible]

लामिली॥मन्मोलामन्मोलामन्मोलामन्मोलामन्मोला॥२॥लीलीलीली
॥२॥मिलिमिलिमिलिमिलि॥६॥मिमिमीयवीगमिमिलोदकाकालकदाकनकटाककगक
कनककगककगककगमिर्ककंमीमथमितालीलीलीलीगीचरुसालिहूवी२सदसाह्य
यमीयवीसमीसर्वसहहिगायमेगीवीहलकन्मवीहलीमदिनाविहारीडयक्राविहली
वकुमकुयदासीक्षामिध्वमथाजिनादिगामवेकादवगानीवाहिगेयिनासनाताथरुमनाय

तथा च मन्त्रायै च कुगगाति नयस्वो सा मन्त्रसा ग्न नमस्तु ॥ स्वस्ति वदन्ती वृषस्व गोदवा ससक
 का स्वस्ति त्वानो रुमाना स्वका न दिशु ववृष्यन्ता वनदवताना मन्त्रवका जाइथ स
 मथ ह्मन्त्रा वादि स मृष्टा स्वस्ति वादि यदल्लु स्वस्ति वादि वदुय दस्व स्ति वादि वदगामा ग्धस्व ३३
 स्ति यथा गन्तु वृषस्व स्ति वादि स्वस्ति वादि स्वस्ति मन्त्रादि न स्ति ॥ सवत्सव मन्त्र वदु सा च वा
 याय मा गमस्तु ॥ सवत्सव ॥ याय सवत्सव गन्तु वदना सवत्सव स्कीर्त्त सवत्सव स्तुती यामया स

वरुदा नीयस्व तु मा कवी न्याय मा गमया नीरु रुमाना स मा गमा नी स्ति गानो रुमा वदवा रुवा
 दा क्वेष्ट मन्त्रा मन्त्रं यथा सदी वाचन गो वच वृष म् ॥ ॐ ॥ नित्यं वृषानां नृणां वनदव
 तानां नृणां वनमहनीयम् ॥ की आर्ये महा मन्त्रा नृणां तानां मन्त्रा धनवी समा य ॥ आर्ये महा मा
 रु सय मदनी आर्ये महा माय नी आर्ये महा धी नव नी आर्ये महा यनी सवा आर्ये महा मन्त्रा नम
 स्ती य गानी यक् वदना नी मन्त्रा धनवी समा य ॥ ॥ ॐ ॥ ॥

II-297

धर्मरत्न बजाचार्य सुरत श्री महाबिहार



२४